• इन्होंने कहा था–"स्वराज आम जनता के लिए होना चाहिए केवल वर्गों के लिए नहीं।" • 16 दिसंबर, 1922 को इंडिपेंडेंट पार्टी बनाने का निर्णय मदन मोहन मालवीय तथा मोतीलाल नेहरू ने लिया था। • मदन मोहन मालवीय हिंदू महासभा के संस्थापक सदस्य थे।

प्रश्नकोश

1. भारत में स्वराज पार्टी की स्थापना निम्नलिखित कारणों में से एक अथवा अधिक के लिए की गई थी–

1. गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन वापस लेना
2. काउंसिलों में प्रवेश कर तथा उन्हें काम न करने देकर 1919 के भारत शासन अधिनियम का उच्छेदन करना
3. ब्रिटिश सरकार द्वारा दमन
4. भारतीयों द्वारा इस आशय की अनुभूति कि उन्हें प्रशासन का अनुभव प्राप्त करना चाहिए

कूट :

(a) 1 केवल (b) 1 और 2
(c) 1, 2 और 3 (d) 1, 3 और 4

U.P Lower Sub.(Pre) 1998

उत्तर–(b)

वर्ष 1919 के भारतीय शासन अधिनियम द्वारा स्थापित केंद्रीय तथा प्रांतीय विधानमंडलों का कांग्रेस ने गांधीजी के निर्देशानुसार बहिष्कार किया था, और वर्ष 1920 के चुनावों में भाग नहीं लिया। असहयोग आंदोलन की समाप्ति और गांधीजी की गिरफ्तारी के बाद देश के वातावरण में एक अजीब निराशा का माहौल बन गया था। ऐसी स्थिति में मोतीलाल नेहरू तथा सी.आर. दास ने एक नई विचारधारा को जन्म दिया। मोतीलाल नेहरू तथा सी.आर. दास ने कांग्रेस को विधानमंडलों के भीतर प्रवेश कर अंदर से लड़ाई लड़ने का विचार प्रस्तुत किया तथा वर्ष 1923 के चुनावों के माध्यम से विधानमंडल में पहुंचने की योजना बनाई। किंतु वर्ष 1922 में कांग्रेस के गया अधिवेशन में बहुमत के साथ इस योजना को अस्वीकार कर दिया गया। सी.आर. दास (इस दौरान वे कांग्रेस के अध्यक्ष थे) ने कांग्रेस की अध्यक्षता से त्याग-पत्र दे दिया और जनवरी, 1923 में मोतीलाल नेहरू के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी' की स्थापना की। इस पार्टी का मुख्य उद्देश्य चुनावों के माध्यम से काउंसिलों में प्रवेश कर तथा उन्हें काम न करने देकर 1919 के भारत शासन अधिनियम का उच्छेदन करना था।

2. निम्न में किसने स्वराज पार्टी निर्माण करने के लिए कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्याग-पत्र दिया था?

(a) सी.आर. दास (b) मोतीलाल नेहरू
(c) विट्ठलभाई पटेल (d) फिरोजशाह मेहता

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2004

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. स्वराज पार्टी का गठन.....की असफलता के बाद हुआ।

(a) असहयोग आंदोलन (b) भारत छोड़ो आंदोलन
(c) सिविल नाफर्मानी आंदोलन (d) स्वदेशी आंदोलन

43rd B.P.S.C. (Pre) 1999

उत्तर–(a)

असहयोग आंदोलन की असफलता के बाद स्वराज पार्टी (कांग्रेस-खिलाफत स्वराज पार्टी) का गठन जनवरी, 1923 में सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू ने किया। सी.आर. दास इसके अध्यक्ष तथा मोतीलाल नेहरू इसके महासचिव थे। स्वराज पार्टी ने अपने को कांग्रेस के अभिन्न हिस्से के रूप में प्रचारित किया। साथ ही अहिंसा और असहयोग के प्रति अपनी वचनबद्धता को दोहराया।

4. स्वराज दल की स्थापना असफलता के बाद हुई-

(a) असहयोग आंदोलन (b) सविनय अवज्ञा आंदोलन
(c) रौलेट बिल सत्याग्रह (d) चंपारण सत्याग्रह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. स्वराज पार्टी को संस्थापित किया था–

(a) बाल गंगाधर तिलक तथा महात्मा गांधी ने
(b) बिपिन चंद्र पाल तथा लाला लाजपत राय ने
(c) सी.आर. दास तथा मोतीलाल नेहरू ने
(d) सरदार पटेल तथा राजेंद्र प्रसाद ने

U.P Lower Sub.(Pre) 1998
Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2002
M.P. P.C.S. (Pre) 2006
Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. 1923 में स्वराज पार्टी का गठन किसने किया?

(a) महात्मा गांधी
(b) वल्लभ भाई पटेल
(c) सी.आर. दास व मोतीलाल नेहरू
(d) बी.आर. अम्बेडकर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C (Pre) 2020

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

7. 'स्वराज दल' की स्थापना किसने की?
(a) तिलक एवं चित्तरंजन दास
(b) गांधी एवं मोतीलाल नेहरू
(c) गांधी एवं तिलक
(d) चित्तरंजन दास एवं मोतीलाल नेहरू

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. निम्न में से कौन 'स्वराज पार्टी' के गठन से संबंधित थे?
1. सुभाष चंद्र बोस 2. सी.आर. दास
3. जवाहरलाल नेहरू 4. मोतीलाल नेहरू
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(a) 1, 2, 3 तथा 4 (b) 1, 2 तथा 3
(c) 2 तथा 3 (d) 2 तथा 4

U.P. P.C.S. (Pre) 1998

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. मोतीलाल नेहरू और सी.आर. दास द्वारा 1923 ई. में गठित पार्टी का नाम क्या था?
(a) इंडिपेंडेंस पार्टी (b) गदर पार्टी
(c) स्वराज पार्टी (d) इंडियन नेशनल पार्टी

U.P.P.C.S (Pre) 2016

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. मोतीलाल नेहरू स्वराज दल के नेता थे। निम्न में से कौन दल में नहीं था?
(a) श्रीनिवास आयंगर (b) चितरंजन दास
(c) विट्ठलभाई पटेल (d) सी. राजगोपालाचारी

U.P. P.C.S. (Pre) 1993
U.P. P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(d)

सी. राजगोपालाचारी स्वराज दल के नेता नहीं थे। इन्हीं के नेतृत्व में परिवर्तन विरोधियों ने दिसंबर, 1922 में कांग्रेस के गया अधिवेशन में परिवर्तन समर्थकों को पराजित किया, जिसके बाद सी.आर. दास तथा मोतीलाल नेहरू ने मिलकर जनवरी, 1923 में स्वराज पार्टी की स्थापना की। श्रीनिवास आयंगर (मद्रास प्रांत स्वराज पार्टी के संस्थापक) तथा एन.सी. केलकर स्वराज दल के अन्य प्रमुख नेता थे। 1925 में विट्ठलभाई पटेल का सेंट्रल लेजिस्लेटिव (केंद्रीय विधानमंडल) असेम्बली का अध्यक्ष चुना जाना स्वराजियों की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी।

11. निम्न में से कौन एक स्वराज पार्टी से संबंधित नहीं थे?
(a) मोतीलाल नेहरू (b) सी.आर. दास
(c) एन.सी केलकर (d) राजेंद्र प्रसाद

U.P.P.C.S. (Mains) 2014

उत्तर–(d)

स्वराज पार्टी की स्थापना जनवरी, 1923 में सी.आर. दास तथा मोतीलाल नेहरू ने की। एन.सी. केलकर भी स्वराज पार्टी से संबंधित थे। डॉ. राजेंद्र प्रसाद, गांधी के समर्थक थे तथा वह स्वराज पार्टी के समर्थक नहीं थे।

12. बिहार में स्वराज दल का गठन किसने किया?
(a) श्रीकृष्ण सिंह (b) रामलाल शाह
(c) बंकिम चंद्र मित्र (d) शचीन्द्रनाथ सान्याल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(a)

असहयोग आंदोलन की असफलता के बाद स्वराज पार्टी (कांग्रेस-खिलाफत स्वराज पार्टी) का गठन जनवरी, 1923 में सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू ने किया। सी.आर. दास इसके अध्यक्ष तथा मोतीलाल नेहरू इसके महासचिव थे। बिहार में स्वराज दल की शाखा का गठन हुआ जिसके नेता श्रीकृष्ण सिंह बनाए गए।

13. निम्नलिखित घटनाओं का सही कालक्रम चुनिए-
(i) लखनऊ समझौता (ii) स्वराज दल की स्थापना
(iii) जलियांवाला हत्याकांड (iv) बाल गंगाधर तिलक की मृत्यु
निम्नलिखित कूट में से उत्तर चुनिए-
(a) (i), (iv), (iii) एवं (ii)
(b) (iv), (iii), (i) एवं (ii)
(c) (i), (iii), (iv) एवं (ii)
(d) (i), (ii), (iii) एवं (iv)

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2018

उत्तर–(c)

उपर्युक्त घटनाओं का क्रम इस प्रकार है–
लखनऊ समझौता-1916, जलियांवाला हत्याकांड-1919, बाल गंगाधर तिलक की मृत्यु- 1920, स्वराज दल की स्थापना- 1923।

14. स्वतंत्रता पूर्व भारत में निम्नलिखित में से किसने केंद्रीय विधानसभा में स्वराज दल का समर्थन किया था?
(a) एम.ए. जिन्ना (b) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(c) डॉ. राजेंद्र प्रसाद (d) जवाहरलाल नेहरू

U.P. P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner

नवंबर, 1923 में विधान परिषदों के चुनाव हुए। सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली की 101 निर्वाचित सीटों में से 42 पर स्वराज पार्टी की जीत हुई। मध्य प्रांत में इन्हें स्पष्ट बहुमत मिला। बंगाल में यह सबसे बड़े दल के रूप में उभरी और बंबई तथा संयुक्त प्रांत में भी इसे अच्छी सफलता मिली। मद्रास और पंजाब में जातिवाद और सांप्रदायिकता की लहर के कारण इसे खास सफलता नहीं मिली। सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली में स्वराजियों ने एक साझा राजनीतिक मोर्चा बनाया। इसमें जिन्ना के नेतृत्व में उनके समर्थक, उदारवादी व व्यक्तिगत रूप से कुछ विधायक जैसे मदन मोहन मालवीय आदि शामिल थे।

15. निम्नलिखित में से कौन 'देशबंधु' के नाम से प्रसिद्ध है?

(a) चंद्रशेखर (b) चितरंजन दास
(c) ए.ओ. ह्यूम (d) एनी बेसेंट

U.P. P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(b)

चितरंजन दास को 'देशबंधु' के नाम से जाना जाता था। देशबंधु का तात्पर्य है– The Friend of Nation. चितरंजन दास इंग्लैंड से वकालत की पढ़ाई करने के बाद स्वदेश आकर बैरिस्टर हो गए तथा वकील के रूप में इनकी सबसे बड़ी सफलता अलीपुर बमकांड केस में अरविंद घोष का बचाव करना था। उन्होंने मोतीलाल नेहरू के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी' की स्थापना की थी।

16. स्वराज आम जनता के लिए होना चाहिए केवल वर्गों के लिए नहीं, के प्रसिद्ध सूत्र की घोषणा की–

(a) सी.आर. दास ने
(b) सी. राजगोपालाचारी ने
(c) मोतीलाल नेहरू ने
(d) गोपीनाथ साहा ने

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर–(a)

देशबंधु चितरंजन दास (सी.आर. दास) ने कहा था–"स्वराज आम जनता के लिए होना चाहिए केवल वर्गों के लिए नहीं।"

17. कांग्रेसी नेताओं द्वारा मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड रिपोर्ट की निंदा करने पर कई नरमपंथियों ने पार्टी को छोड़कर निम्न में से कौन-सी पार्टी का गठन किया?

(a) स्वराज पार्टी
(b) इंडियन फ्रीडम पार्टी
(c) इंडिपेंडेंस फेडरेशन ऑफ इंडिया
(d) इंडियन लिबरल फेडरेशन

I.A.S. (Pre) 2003

उत्तर–(d)

मॉन्टेग्यू घोषणा के संबंध में कांग्रेस में मत भिन्नता के फलस्वरूप अंततः कांग्रेस में पुनः विघटन हुआ। सूरत विघटन (1907) के समय उदारवादियों ने उग्रवादियों को कांग्रेस से निष्कासित कर दिया था पर इस बार उदारवादियों ने ही कांग्रेस को छोड़ दिया। सुरेंद्रनाथ बनर्जी के नेतृत्व में कांग्रेस के उदारवादी एवं नरमपंथी नेताओं ने मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों का स्वागत किया तथा कांग्रेस से अलग होकर इंडियन लिबरल फेडरेशन (अखिल भारतीय उदारवादी संघ) की स्थापना की।

18. निम्नलिखित में से किन लोगों ने 16 दिसंबर, 1922 को इंडिपेंडेंट पार्टी बनाने का निर्णय लिया था? नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

1. लाला हरदयाल **2. मदन मोहन मालवीय**
3. मोहम्मद अली जिन्ना **4. मोतीलाल नेहरू**

कूट :

(a) 1 तथा 2 (b) 2 तथा 3
(c) 3 तथा 4 (d) 2 तथा 4

U.P. P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(d)

16 दिसंबर, 1922 को इंडिपेंडेंट पार्टी बनाने का निर्णय मदन मोहन मालवीय तथा मोतीलाल नेहरू ने लिया था। मदन मोहन मालवीय हिंदू महासभा के संस्थापक सदस्य थे। इन्होंने वर्ष 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की। मोतीलाल नेहरू ने सी.आर. दास के साथ मिलकर स्वराज पार्टी की भी स्थापना की।

19. 'सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली' का प्रथम भारतीय अध्यक्ष (स्पीकर) कौन था?

(a) सर हरीसिंह गौर (b) विट्ठलभाई जे. पटेल
(c) वल्लभभाई जे. पटेल (d) पुरुषोत्तम दास टंडन

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर–(b)

'सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली' के प्रथम भारतीय अध्यक्ष (स्पीकर) विट्ठलभाई जे. पटेल थे, जो वर्ष 1925 में इसके अध्यक्ष बने। ये 'स्वराज पार्टी' के सह-संस्थापक थे।

20. वे राष्ट्रीय नेता कौन थे, जो 1925 में सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे?

(a) मोतीलाल नेहरू (b) सी.आर. दास
(c) वल्लभभाई पटेल (d) विट्ठलभाई पटेल

U.P.P.C.S. (Pre) 2012

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

21. अगस्त, 1925 में सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली का अध्यक्ष निम्नलिखित में से कौन था?

(a) सी.आर. दास
(b) मोतीलाल नेहरू
(c) एम.आर. जयकर
(d) विट्ठलभाई पटेल

U.P.R.O/A.R.O. (Pre) 2016

उत्तर—(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner